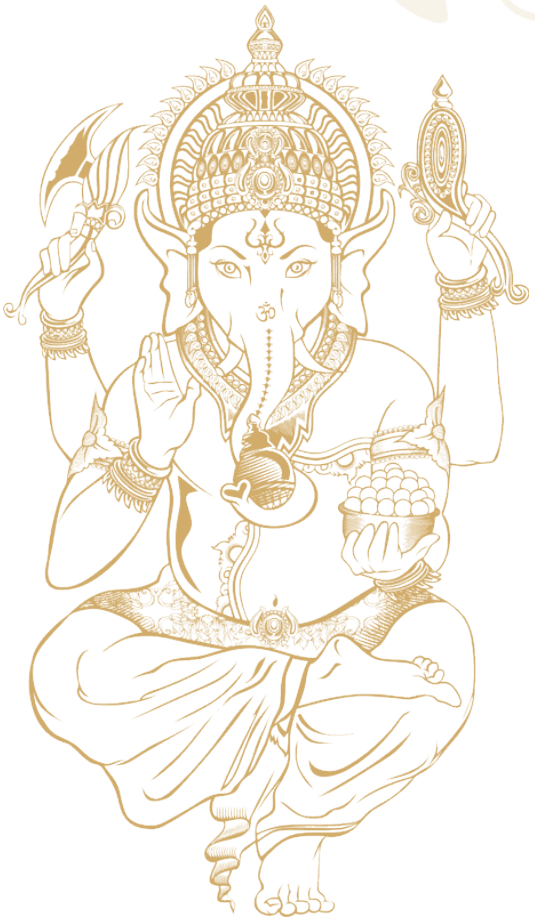

Kunal

Vandana Walecha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121789309

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
06/09/1996	जन्म तिथि	19/10/1997
शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 14:07:00	जन्म समय	13:30:00 घंटे
घटी 20:13:36	जन्म समय(घटी)	17:46:01 घटी
India	देश	India
Palwal	स्थान	Palwal
28:09:00 उत्तर	अक्षांश	28:09:00 उत्तर
77:20:00 पूर्व	रेखांश	77:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:40	स्थानिक संस्कार	-00:20:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:33	सूर्योदय	06:23:35
18:35:51	सूर्यास्त	17:47:28
23:48:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:30

विंशोत्तरी
राहु 16वर्ष 6मा 9दि

गुरु	17/03/2013
	17/03/2029
गुरु	06/05/2015
शनि	16/11/2017
बुध	22/02/2020
केतु	28/01/2021
शुक्र	29/09/2023
सूर्य	17/07/2024
चन्द्र	16/11/2025
मंगल	23/10/2026
राहु	17/03/2029

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	धनु	05:10:16
सूर्य	सिंह	20:12:51
चंद्र	मिथु	07:45:30
मंगल	कर्क	04:00:04
बुध	कन्या व	09:26:55
गुरु	धनु	14:01:13
शुक्र	कर्क	05:16:51
शनि व	मीन व	11:41:27
राहु व	कन्या व	14:28:40
केतु व	मीन व	14:28:40
हर्ष	मक व	07:16:56
नेप	मक व	01:24:27
प्लूटो	वृश्चि	06:43:24

राशि	अंश
मक	08:01:00
तुला	02:08:44
वृष	15:19:49
वृश्चि	20:43:04
तुला	05:53:28
मक	18:28:21
वृश्चि	18:16:50
मीन	22:21:56
सिंह	25:20:42
कुंभ	25:20:42
मक	10:55:18
मक	03:23:04
वृश्चि	10:11:02

विंशोत्तरी
चन्द्र 6वर्ष 0मा 0दि

राहु	20/10/2010
	20/10/2028
राहु	02/07/2013
गुरु	26/11/2015
शनि	02/10/2018
बुध	20/04/2021
केतु	09/05/2022
शुक्र	09/05/2025
सूर्य	02/04/2026
चन्द्र	02/10/2027
मंगल	20/10/2028

लग्न-चलित

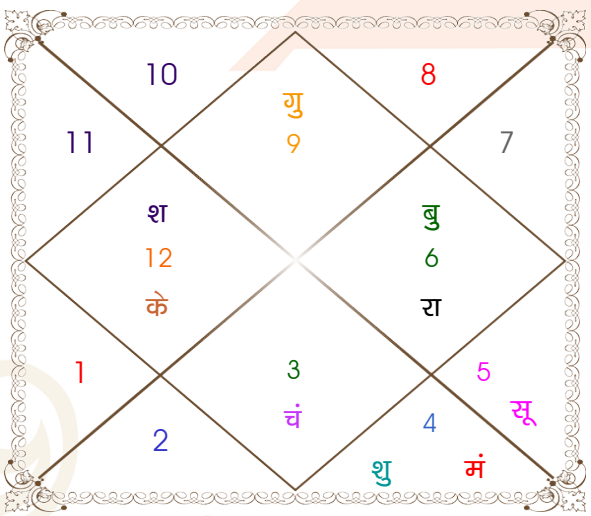

लग्न-चलित

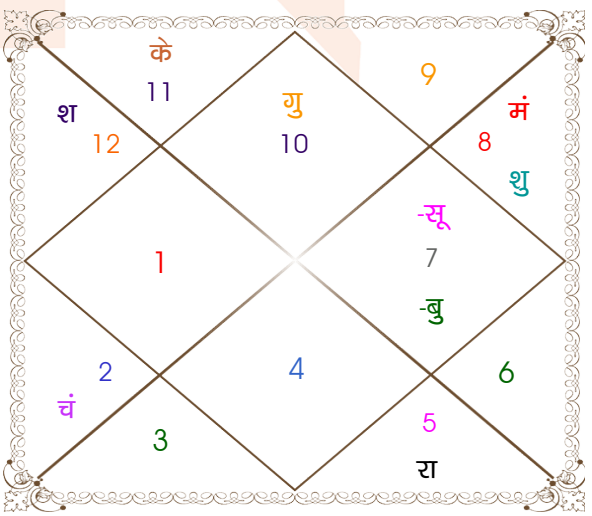

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ज्ञनदंस का वर्ग मार्जार है तथा टंदकंदॅसमबीं का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ज्ञनदंस और टंदकंदॅसमबीं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ज्ञनदंस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ज्ञनदंस कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

टंदकंदॅसमबीं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु टंदकंदॅसमबीं कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष

कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि टंदकंदॅसमबीं कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ज्ञनदंस तथा टंदकंदॅसमबीं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।